



**Gramin Krishi Mausam Sewa
Agricultural Research Station
SK Rajasthan Agricultural University
Bikaner 334 006**
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsagrometbikaner@gmail.com



Ref. No.F.(2)/Agromet/24
District: - Bikaner

Dated:21.02.2025

Weather Forecast and Agromet Advisory
Period 21th February 2025 to 25th February 2025

Weather review of last week: During this period, the maximum temperature ranged between 28.8 to 31.0 °C and the minimum temperature ranged between 10.5 to 13.8°C. During this period, low wind speed observed with RH values of 18 % to 95%.	Weather forecast for the coming week: On the basis of the information received from the India Meteorological Department, New Delhi and Regional Meteorological Centre, Jaipur, weather for the next 5 days in Bikaner district (21.02.2025 to 25.02.2025) overcast on 21.02.2025, clear sky on 22.02.2025 to 23.02.2025, cloudy on 24.02.2025 and dense cloudy on 25.02.2025. Tmin will possibly range between 13.0-16.0°C and the T _{max} is likely to remain between 26.0-29.0 °C. During this period high wind velocity is likely to blow coupled with very low relative humidity? Wind blow from then North, East-North-East, East, South-East and West-South-West directions.
--	--

Weather Parameter	Date				
	21.02.2025	22.02.2025	23.02.2025	24.02.2025	25.02.2025
Rainfall (mm)	0	0	0	0	0
Cloud cover	Overcast	Clear sky	Clear sky	Cloudy	Dense Cloudy
Temperature Maximum (° C)	26	26	27	28	29
Temperature Minimum (° C)	13	13	14	15	16
Wind direction	N	ENE	E	SE	WSW
Minimum Relative humidity (%)	26	20	19	15	13
Maximum Relative humidity (%)	42	40	31	30	30
Wind velocity(km/hr)	10	10	15	14	12
Cumulative rains (mm)	00.00				

Agro Advisory: Based on the weather review of last week and the weather forecast for this week, the following advice is given to the farmer.

Specific advisory	Due to increase in temperature, there is a possibility of pest and disease infection in crops. Therefore, regularly watch fields, to diagnose insect pest & disease infestation for timely and effective management. In case of infestation of aphids in crops like mustard, fenugreek, cumin, isabgol, do spray of Dimethoate 30 EC @ 1200 ml/ha with water. All most all crops are in reproductive phase, frequently irrigate these for better grain development and overcome to temperature stress.
--------------------------	---

Crop	Stage	Details	Agro Advisory
Wheat	Spike formation	Nutrient deficiency	To overcome the young leaf yellowing problem in wheat spray 3 g of zinc sulphate with 20 g of urea per litre water.
Mustard	Pod and grain formation	Insect and disease control	On aphid infestation, spray of malathion 50 EC or Dimethoate 30 EC @ 2 ml/litre of water. Prevent mustard crop from powdery mildew disease, dusting of 20 kg sulphur powder/ha or spray 2 grams of soluble sulphur or 1 ml Dinocap (Kerathen) 30 EC per litre of water.
Chick pea	Pod and grain formation	Insect control	To monitor pod borer in gram, it was suggested to install 4 pheromone traps per hectare so that the pest could be controlled in time.
Fenugreek	Pod and grain formation	Disease	To control powdery mildew disease dusting of 20 kg sulphur powder/ha or spray 2 g of soluble sulphur or 1 ml Dinocap (Kerathen) 30 EC per litre of water.
Cumin	Flowering grain formation	Disease management	To control blight in cumin apply 2g/ lit. or 500g Mencozeb/bigha, repeat the spray 2-3 times. Where there is attack of wilt in cumin apply 300g Carbendazim/bigha repeat it at an interval of 15 days.
Isabgol	Reproductive phase	Disease management	To control powdery mildew disease dusting of 20 kg sulphur powder/ha or spray 2 g of soluble sulphur or 1 ml Dinocap (Kerathen) 30 EC per litre of water.
Horticulture		Irrigation	Timely irrigate the horticultural crops or orchards.
		Disease management	To control purple blotch in Onion (particularly in seed production programme) spray of 0.2% (2g/liter water) Mencozeb is required.
Livestock		Nutrition management	Incorporate concentrates and mineral mixtures into animal feed to obtain good quality and high milk yield. Provide good quality drinking water to animals.

Associate Professor and Technical Officer
Gramin Krishi Mausam Sewa

Zonal Director Research and
Nodal Officer - Gramin Krishi Mausam Sewa



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर - 334006
Phone 0151 2250018, 0151 2250570
Email: arsaagrometbikaner@gmail.com



क्रमांक: एफ/1
जिला:- र

./24

दि ति: 21.02.2025

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह
अवधि 21 फरवरी 2025 से 25 फरवरी 2025 तक

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षा: इस दौरान अधिकतम तापमान 28.8 से 31.0 °C एवं न्यूनतम तापमान 10.5 से 13.8 °C के मध्य रहा। इस दौरान धीमी गति की हवायें चली एवं आपेक्षिक आर्द्रता 18 से 95% रही।

आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणी: भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली एवं राज्य मौसम केन्द्र, जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बीकानेर जिले में आगामी 5दिनों के दौरान (21.02.2025 से 25.02.2025) 21.02.2025 को पूर्णाच्छादित बादल छाए रहने, 22.02.2025 से 23.02.2025 तक स्वच्छ आकाश छाए रहने, 24.02.2025 को बादल छाए रहने 25.02.2025 को घने बादल छाए रहने, न्यूनतम तापमान 13.0-16.0°C और अधिकतम तापमान 26.0-29.0°C के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तरी, पूर्वी उत्तरी पूर्वी, पूर्वी, दक्षिणी पूर्वी और पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी दिशा से तेज गति की हवायें बहुत कम सापेक्ष आर्द्रता के साथ चलने की संभावना है।

मौसम कारक	दिनांक				
	21.02.2025	22.02.2025	23.02.2025	24.02.2025	25.02.2025
वर्षा) एम.एम. (0	0	0	0	0
आसमान में बादलों की स्थिति	पूर्णाच्छादित	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	बादल	घने बादल
अधिकतम तापमान (° C)	26	26	27	28	29
न्यूनतम तापमान (° C)	13	13	14	15	16
वायु दिशा	उत्तरी	पूर्वी उत्तरी पूर्वी	पूर्वी	दक्षिणी पूर्वी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	26	20	19	15	13
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)	42	40	31	30	30
औसत वायु गति [कि./घण्टा]	10	10	15	14	12
वर्षा) एम.एम. (00.00				

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्ताह के लिए मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाइयों को निम्न सलाह दी जाती है।

विशेष सलाह
तापमान में वृद्धि के कारण फसलों में कीट एवं रोग संक्रमण की संभावना रहती है। इसलिए, समय पर और प्रभावी प्रबंधन के लिए कीट और रोग संक्रमण का निदान करने के लिए नियमित रूप से खेतों की निगरानी करें। सरसों, मेथी, जीरा, इसबगोल जैसी फसलों में एफिड्स का प्रकोप होने पर डाइमिथोएट 30 ईसी @ 1200 मिली/हेक्टेयर पानी के साथ छिड़काव करें। **लगभग सभी फसलों प्रजनन चरण में हैं, बेहतर अनाज विकास और तापमान तनाव से उबरने के लिए इन्हें नियमित रूप से सिंचाई करें।**

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह
गेहूँ	बाली बनने	पोषक तत्वों की कमी	गेहूँ में नई पत्तियों के पीलेपन की समस्या को दूर करने के लिए 3 ग्राम जिंक सल्फेट को 20 ग्राम यूरिया के साथ प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
सरसों	फली एवं दाना बनने	कीट व रोग नियंत्रण	एफिड का प्रकोप होने पर मैलाथियान 50 ईसी या डिमिथोएट 30 ईसी @ 2 मिली/लीटर पानी का छिड़काव करें। सरसों की फसल को छाछिया रोग से बचाने के लिए 20 किलोग्राम सल्फर पाउडर/हेक्टेयर का भुरकाव करें या 2 ग्राम घुलनशील सल्फर या 1 मिलीलीटर डिनोकैप (केराथेन) 30 ईसी प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
चना	फली एवं दाना बनने	कीट नियंत्रण	चने में फली छेदक के निगरानी हेतु 4 फेरोमोन ट्रेप प्रति हेक्टेयर लगाने का सुझाव दिया गया जिससे समय रहते कीट का नियंत्रण किया जा सके।
मेथी	फली एवं दाना बनने	रोग प्रबंधन	मेथी की फसल को छाछिया रोग से बचाने के लिए 20 किलोग्राम सल्फर पाउडर/हेक्टेयर का भुरकाव करें या 2 ग्राम घुलनशील सल्फर या 1 मिलीलीटर डिनोकैप (केराथेन) 30 ईसी प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
जीरा	फूल आने एवं दाना बनने	रोग प्रबंधन	जीरे में अंगमारी बीमारी का रोग होने पर मेन्कोजेब 2 ग्राम/ लीटर या 500 ग्राम/बीघा की दर से छिड़काव करें, छिड़काव 2-3 बार दोहराएं। जीरे में उकटा रोग का प्रकोप होने पर कार्बेन्डाजिम 300 ग्राम/बीघा की दर से छिड़काव करें तथा 15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव को पुनः दोहराएं।
इसबगोल	प्रजनन चरण	रोग प्रबंधन	इसबगोल की फसल को छाछिया रोग से बचाने के लिए 20 किलोग्राम सल्फर पाउडर/हेक्टेयर का भुरकाव करें या 2 ग्राम घुलनशील सल्फर या 1 मिलीलीटर डिनोकैप (केराथेन) 30 ईसी प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
उद्यानिकी		सिंचाई	बागवानी फसलों या बगीचों में समय पर सिंचाई करें।
		रोग प्रबंधन	प्याज की फसल (विशेष रूप से बीज उत्पादन कार्यक्रम में) पीली पत्ती काले धब्बे के साथ बीमारी का प्रकोप होने पर 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम/लीटर पानी) मेंकोजेब का छिड़काव करें।
पशुधन		पोषण प्रबंधन	अच्छी गुणवत्ता युक्त और उच्च दूध उपज प्राप्त करने के लिए पशु आहार में सांद्र और खनिज मिश्रण शामिल करें। पशुओं को अच्छी गुणवत्ता वाला पेयजल उपलब्ध कराएं।

सह-आचार्य एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक एवं
नोडल ऑफिसर - ग्रामीण कृषि मौसम सेवा